Roll No.....
Signature of Invigilator .....

Paper Code

PGD-VD-204

पतंजलि विश्वविद्यालय

University of Patanjali

Examination May-June-2023

P.G. Diploma in Vedic Darshan, Semester-II

वेदाङ्ग प्रबोध

Time: 3 Hours **Max. Marks: 70**

नोट : यह प्रश्नपत्र सत्तर (70) अंकों का है जो दो (02) खंडों क, तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है।

खण्ड-क
(दीर्घ-उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में पांच (05) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिए हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पंद्रह अंक निर्धारित हैं। किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिए। (3×15=45)

1. वेदाङ्गों में व्याकरण को वेद पुरुष का मुख माना है। इस बात को सिद्ध करते हुए महर्षि पाणिनि जी का संक्षिप्त जीवन परिचय दें।
2. वैदिक वाङ्मय अर्थात् चारों वेद, उपवेद, शाखा ग्रन्थों का सचित्र वर्णन करें।
3. पिङ्गलाचार्य कृत छन्दशास्त्र को समझाते हुए वैदिक छन्दों का सविस्तार वर्णन करें।
4. शिक्षा क्या है? वर्तमान में उपलब्ध आपिशल शिक्षा, पाणिनीय शिक्षा तथा चान्द्र शिक्षा का सविस्तार वर्णन करें।
5. कल्प क्या है? कल्प सूत्रों के भेद बतलाते हुए सविस्तार वर्णन करें।

खण्ड-ख
(लघु-उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में सात (07) लघु उत्तरीय प्रश्न दिए गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पांच अंक निर्धारित हैं। किन्हीं पांच प्रश्नों के उत्तर दीजिए। (5×5=25)

6. निरूक्त के किन्हीं दो व्याख्याकारों का वर्णन करें।
7. वेदाङ्ग परिचय में वर्णित ज्योतिष शास्त्र की शाखाओं का वर्णन करें।
8. वेदाङ्गों की संख्या कितनी है? प्रमाण सहित समझाएं।
9. त्रिमुनि व्याकरण क्या है? समझाएं।
10. निघण्टु एवं निरूक्त में क्या सम्बन्ध है? प्रत्येक के अध्याय एवं काण्डों का संख्या सहित विवेचन करें।
11. पिङ्गलाचार्य जी का संक्षिप्त परिचय देते हुए उनके लिखित ग्रन्थ का संक्षिप्त वर्णन करें।
12. ज्योतिषशास्त्र का प्रयोजन बताते हुए मासों (महीनों) के वैदिक नाम लिखें।

----------X----------